रोमांचक साहसिक पर्यटन

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल
(*पूर्व जॉइंट डायरेक्टर*)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग
राजस्थान सरकार, कोटा, राजस्थान, भारत

ROMAANCHAK SAAHASIK PARYATAN

Copyright © : Dr. Prabhat Kumar Singhal
Publishing Rights ℗ : VSRD Academic Publishing
A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.

ISBN-13: 978-93-91462-42-0
FIRST EDITION, NOVEMBER 2021, INDIA

Printed & Published by:
VSRD Academic Publishing
(*A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.*)

Disclaimer: The author(s) are solely responsible for the contents compiled in this book. The publishers or its staff do not take any responsibility for the same in any manner. Errors, if any, are purely unintentional and readers are requested to communicate such errors to the Authors or Publishers to avoid discrepancies in future.

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photo-copying, recording or otherwise, without the prior permission of the Publishers & Author.

Printed & Bound in India

VSRD ACADEMIC PUBLISHING
A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.

REGISTERED OFFICE
154, Tezabmill Campus, Anwarganj, KANPUR – 208003 (UP) (IN)
Mb: 98999 36803, Web: www.vsrdpublishing.com, Email: vsrdpublishing@gmail.com

MARKETING OFFICE
340, FF, Adarsh Nagar, Oshiwara, Andheri(W), MUMBAI–400053 (MH)(IN)
Mb: 99561 27040, Web: www.vsrdpublishing.com, Email: vsrdpublishing@gmail.com

लेखकीय

पर्यटन पर जाने के नाम से ही मन में उमंग की लहर दौड़ जाती हैं। पहाड़ों, जंगलों, वन्यजीव अभयारण्यों, गुफाओं आदि में लंबी दूरी तक पैदल घूमना अर्थात ट्रैकिंग पर जाना भला किसे न रोमांचित करेगा। बर्फ पर स्कीइंग–स्केटिंग से फिसलने का लुत्फ कौन नहीं उठाना चाहेगा। नदियों के जल में राफ्टिंग, कैनोइंग और समुद्र की अथाह जलराशि में गोताखोरी–स्नॉर्कलिंग और स्कूबा डाइविंग से समुद्र के भीतर जलीय जीवों के संसार को देख कर रोमांचित होना हर किसी को हसरत होती हैं। साथ ही समुद्र पर बोट के जरिए पैरासेलिंग, समुद्र की लहरों पर लहरबाजी, बनाना बोट सवारी आदि गतिविधियों से हर कोई आनंदित होना चाहता है। बंजी जंपिंग और जिप लाइनिग के तो कहने ही क्या जो पूर्ण साहस और रोमांस से भरपूर हैं।

हॉट एयर बेलून, पैराग्लाइडिंग, पैरासेलिंग और रोप–वे से खुले आसमान से प्रकृति के नजारें कोन नहीं देखना चाहेगा। ऊंट सफारी, घोड़ा सफारी, हाथी सफारी, जीप सफारी, माउंटेन बाइकिंग, साइकलिंग से आंनद की कोई सीमा नहीं है। रॉक क्लाइंबिंग और पर्वतारोहण का अपना अलग ही मनोरंजन है। समुद्री जहाज–क्रूज –बोट से साहसिक समुद्री यात्रा का रोमांस वही बता सकता है जिसने इनका लुत्फ उठाया है। मानसरोवर यात्रा, अमरनाथ यात्रा, वैष्णोदेवी यात्रा, नंदा देवी जैसी धार्मिक यात्राएं भी कम साहसपूर्ण नहीं हैं, हालांकि इनमें अधिकांश घरेलू पर्यटक ही शामिल होते हैं। भारत में राजस्थान सहित कई राज्यों में पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित उत्सव भी साहसिक मनोरंजन से भरपूर होते हैं जो घरेलू पर्यटकों के साथ–साथ विदेशी पर्यटकों को भी खूब आकर्षित करते हैं।

प्राचीन समय के साहसिक मल्लयुद्ध, हाथीदौड़, निशानेबाजी, घुड़दौड़, बैलगाड़ी दौड़ आदि के आयोजन वैसे तो बीते समय की कहानी हो कर रह गए हैं परन्तु निशानेबाजी और घुड़दौड़ का खेलों में अभी भी महत्व बना हुआ है। साहसिक प्रदर्शन के इन आयोजनों को पीछे छोड़ कर नए और आधुनिक साहसिक खेलों और गतिविधियों ने अपनी जबरदस्त पहचान बना कर पर्यटन में नये आयाम जोड़ दिये हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में रोमांचक साहसिक पर्यटन आज खास कर युवाओं की पहली पसंद बन गया हैं। जोश और ऊर्जा से भरे युवा लड़के और लड़कियां दोनों साहसिक गतिविधियों–खेलों के लिए पूर्णरूप से उत्साहित रहते हैं। साहसिक पर्यटन का एक नया वर्ग इनका दीवाना हो गया हैं। यही वजह है कि देश का पर्यटन मंत्रालय, सभी राज्यों और संघ शासित राज्यों के पर्यटन विभाग साहसिक खेलों के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत सरकार के मंत्रालय ने पर्यटन क्षेत्र में साहसिक और रोमांचकारी पर्यटन से होने वाली आय और देशी–विदेशी युवाओं के बढते रुझान को देखते हुए वर्ष 2018 को साहसिक पर्यटन वर्ष के रूप में मनाया था। भारत प्राचीन काल से सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विविधताओं वाला देश रहा है, इसमें साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

इस से इंकार नहीं किया जा सकता कि मानव सभ्यता के विकास में पर्यटन व यात्रा का महत्वपूर्ण योगदान है। जैसे–जैसे मानव सभ्यता का विकास होता रहा यात्रा के प्रकार में भी बदलाव होते रहे। वस्तुतः भोजन की खोज से शुरू हुई यात्रा ज्ञानार्जन, धनार्जन, मनोरंजन, धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, स्वास्थ्य, विलासिता के साथ–साथ अब साहसिक और अंतरिक्ष पर्यटन तक पहुंच चुकी है। भारत में प्रकृति ने प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संपदा प्रदान की है। पर्वत, पहाड़ी, नदी, रेगिस्तान, झरने, मैदान, वन–उपवन, सागर

इत्यादि पर्यटकों को आकर्षित करने वाले सभी पर्यटन के घटक वर्तमान में भी विद्यमान हैं, जो घरेलू के साथ विदेशी पर्यटकों के भी आकर्षण का केन्द्र हैं और भारत के राष्ट्रीय आय के महत्वपूर्ण आधार है।

वर्तमान समय में पर्यटन विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उद्योग बन चुका है। पर्यटन क्षेत्र भारत के सकल रोजगार में 12.36 प्रतिशत का योगदान करता है। वर्ष 2017 में 15.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से 1.8 करोड़ विदेशी सैलानी भारत घूमने के लिए आए, जिनसे हमारे देश को लगभग 1,80,379 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है।

इस कृति के निर्माण में विभिन्न प्रकार से दिए गए सहयोग के लिए मैं डॉ.दीपक कुमार श्रीवास्तव इनेली साउथ एशिया मेंटर (इफला वॉल ऑफ फेम में सम्मिलित नाम) एवं संभागीय पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय, कोटा, श्री अनुज कुमार कुच्छल, पर्यटन प्रेमी एवं सीनियर सेक्शन इंजीनियर भारतीय रेलवे कोटा मंडल, कोटा, प्रो.प्रमोद कुमार सिंघल गोल्ड मेडलिस्ट भूगोलवेत्ता एवं पूर्व प्राचार्य राजकीय कन्या महाविद्यालय बूंदी, इतिहासविद एवं पूर्व प्रोफेसर डॉ. बी.के.शर्मा, जयपुर, लेखिका श्रीमती शिखा अग्रवाल, भीलवाड़ा, एडवोकेट श्री अख्तर खान अकेला कोटा, वरिष्ठ पत्रकार श्री के. डी. अब्बासी, कोटा, श्रीमती तकसीम बानो, कोटा, श्रीमती शशि जैन सहायक प्रभारी राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय, कोटा एवं पत्रकार सलीमुद्दीन काजी, कोटा का हृदय के गहनतम तल से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

भारत में साहसिक पर्यटन के रोमांचक पहलुओं और गतिविधियों पर आधारित है यह पुस्तक। प्रयास किया गया है कि साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में यह कृति मार्ग दर्शक बन सके। आशा करता हूँ कि यह

कृति पर्यटन प्रेमियों के लिए उपयोगी होगी और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होगी। आपके सुझावों का स्वागत है।

शुभकामनाओं सहित !

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल

अनुक्रम

(1) रोमांचक साहसिक पर्यटन 1-5

(2) लहरबाजी (वाटर सर्फिंग)................................ 6-8

(3) स्नार्कलिंग और स्कूबा डाईविंग........................ 9-12

(4) वाटर राफ्टिंग 13-16

(5) केरल में बैकवाटर का रोमांच 17-19

(6) वाटर स्पोर्ट के लिए प्रसिद्ध समुद्री बीच......... 20-27

(7) सी-प्लेन 28-32

(8) साहसिक समुद्री यात्रा.................................... 33-43

(9) ट्रैकिंग... 44-57

(10) राक क्लाइंबिंग... 58-61

(11) पर्वतारोहण 62-68

(12) बर्फ पर स्कीइंग का रोमांच........................... 69-75

(13) अचंम्भित करते हैं पर्वतीय रेलवे.................... 76-79

(14) हाट एयर बैलून राइड 80-84

(15) पैराग्लइडिंग... 85-88

(16) पैरामोटर ग्लाइडिंग.. 89-90

(17) बंजी जम्पिंग 91-93

(18) जिप लाइनिंग 94-96

(19) वन्यजीव सफारी एवं पक्षी अवलोकन............ 97-104

(20) रहस्यमयी प्रसिद्ध गुफाएं.......................... 105-111

(21) रेगिस्तान पर साहसिक पर्यटन 112-119

(22) अनोखे मनोरंजन पार्क 120-124

(23) विविध.. 125-128

सन्दर्भ

1 Mittal, S.K.,sports and games, Deepanshu Books, Delhi, 2011.

2 Akaram, A.J., Horse Empire,Sparrow Publication, Kolkata, 2005.

3. wikipidia.org

4. holidayride.com

5. amarujala.com

6. herzindagi.com

7. Hindi.nativeplanet.com

8. Prabhasakshi.com

9. hindimedia.in

10. tourismnotes.com

11. tourism.gov.in

12. Chaudhary, TPS, Adventure Sports, Natational Book Trust, India 2005

13. भोला धीर, संजय, विश्व प्रसिद्ध साहसिक खेल, स्नेह साहित्य सदन, नई दिल्ली, 2009.

14. सिंघल (डॉ.) प्रभात कुमार, कुच्छल, अनुज कुमार, भारत में समुद्र तटीय पर्यटन, सहित्यागार, जयपुर, 2021.

15. सिंघल (डॉ.) प्रभात कुमार, सिंघल, प्रो.प्रमोद कुमार, विश्व

रेगिस्तान का इंद्रधनुष, वीएसआरडी एकेडमिक पब्लिशिंग, मुंबई, जुलाई 2021.

16. सिंघल (डॉ.) प्रभात कुमार, सिंघल, प्रो.प्रमोद कुमार, अदभुत राजस्थान, सहित्यागार, जयपुर, 2021.

17. सिंघल (डॉ.) प्रभात कुमार, सिंघल, प्रो.प्रमोद कुमार, पर्वतीय पर्यटनय विशेष सन्दर्भ अरावली, वीएसआरडी एकेडमिक पब्लिशिंग, मुंबई, नवंबर 2021.

18 सिंघल, (डॉ.) प्रभात कुमार, हमारा भारत हमारी शान, वीएसआरडी एकेडमिक पब्लिशिंग, मुंबई, मार्च 2021.

19 सिंघल, (डॉ.) प्रभात कुमार, ऐसा देश है मेरा – भारत भ्रमण, डेल्टन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2018.

20. विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित लेखक के आर्टिकल्स.

21. पर्यटन के लेखक के निजी अनुभव